रमादान मुस्लिम भाई बहनों के लिए प्रार्थना, उपवास, परोपकार और आत्म चिनता का समय है। स्वस्थ मुस्लिम वयस्क स्वयं शुद्ध हेतु शोर से मिथिला उन्नति तक लेती है। साल्यजनिक सेवा परंपरा के अंतर्गत, पत्रकार समुदायों में भाईचारे की भावना बढ़ाने का प्रयास कर सकते हैं क्योंकि कोविड-19 की वजह से लोग अकेलापन महसूस कर रहे हैं।

रमादान के पूजन महीने में सामाजिक और धार्मिक समस्याओं का विशेष महत्व है, परंतु लोगों के बीच घनघूम सम्पर्क कोवड-19 का ट्रांसमिशन बढ़ाता है। तो रमादान के दौरान कोवड-19 से बचने हेतु पत्रकार अपने पाठकों और दशर्कों को क्या सलाह दे?

ध्यान दें कि लोग क्या कर सकते हैं

कई लोगों के लिए यह एक मुश्किल समय है क्योंकि उनकी रोजगरी की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिए गए हैं। इस वजह से आपके दर्शक चुनौती का उदास और मुश्किल महसूस कर रहे हैं। इससे प्रभावित लोगों के लिए आपको दो कृतियों की क्षणिक संयुक्त बनाये रखना चाहिए।

- रचनात्मक के रूप में – रचनात्मक और परस्पर संवादात्मक समाधान की मदद में अपने पाठकों और दशर्कों को संवादात्मक समाधान को बढ़ाते हुए क्या कर सकते हैं?

- दर्शकों और उनके परिवार को सुरक्षित रखने के लिए उनके बीच व्यवहारिक सुरक्षात्मक उपाय का प्रचार करें?

- वास्तविकता का जांच करें – कोविड-19 सुरक्षा दिशानिर्देशों के संचार में आपके दर्शकों की नियंत्रण में लगी नहीं?

- विदेशों की नींव डालें – हम से कई लोग ऐसे समुदायों को हिस्सा हैं जो अपने घर बैठे रहते हैं। क्या आपके मीडिया दशर्कों को दुर्निःसार को उठाए?

- माइक्रोसाइट शुरू करें – कोविड-19 से इस अवसर का उठाए?

रमादान के दौरान शारीरिक और भौतिक दूर रखें। रमादान के दौरान कई मुस्लिम ग्रुपों को लंबे प्रार्थना के लिए कहा जाता है, जैसे तरावीह और क़याम, और साथ में रोज़े का उपवास तोड़ते हैं। पर इस रमादान कोविड-19 के बाद से कई मुस्लिमों के लिए यह कठिन मुस्किल नहीं है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने लोगों को जिंदगी जीने के लिए निम्नलिखित सलाह दी है?

कोविड-19 के समन्वय में और जानकारी के लिए, संरचन करें:
covid-19@internews.org
इस रमादान अपने परिवार और प्रियजनों से फोन या वर्दून अल कोल द्वारा आभासी स्तर पर जुड़े रहें;

अपने परिवार से बात करें, विशेषकर बुजुर्गों से, जो अकेले रहने की वजह से उदास और नाराज हो सकते हैं;

आभासी इफ़्तार का आयोजन कर बच्चों, बड़े बूढ़े और परिवार के अन्य सदस्यों का मन बहलायें और मनोबल बढ़ायें।

धामक नेताओं को चरचा में शामिल करें

धामक प्रूवत के दर्शनों के लिए धामक नेता अक्सर विश्वसनीय जानकारी के स्रोत होते हैं। रमादान के दौरान उन्हें अपने भक्ती और अनुयायियों के लिए यात्रा करने के लिए धामक नेताओं को वचुर्अल कॉल द्वारा आभासी स्तर पर जुड़ते हैं। वे अपने परिवार से बात करते हैं, विशेषकर बुजुर्गों से, जो अकेले रहने की वजह से उदास और नाराज हो सकते हैं। इन नेताओं को रमादान के दौरान सुरक्षित प्रभावों का चरचा में शामिल करने के रास्ते ढूंढ़ने के रास्ते ढूंढ़ते हैं।

सामाजिक या धामक सभाओं में जाने के जोखिम के बारे में सोचें

विविध स्थायी संगठन यह सिफारिश करता है कि धामक नेताओं का सामूहिक सभा स्थल पर अपने भक्तों और अनुयायियों के साथ और उपयोगी संपर्क से संपर्क रखना हो सकता है। (फिर भी कोई भी फोन या ऑनलाइन माध्यम से यह नहीं हो सकता है।) इन नेताओं को रमादान के दौरान सुरक्षित प्रभावों का चरचा में शामिल करने के रास्ते ढूंढते हैं, और यह सुनिश्चित करते हैं कि उनके पास कोविड-19 की अंकें और गलत धारणाओं को दूर करने के लिए जानकारी है।

धामक नेताओं को सामूहिक सभाओं में जाने के जोखिम के बारे में सोचें। विविध स्थायी संगठन यह सिफारिश करता है कि धामक नेताओं का सामूहिक सभा स्थल पर अपने भक्तों और अनुयायियों के साथ और उपयोगी संपर्क से संपर्क रखना हो सकता है। (फिर भी कोई भी फोन या ऑनलाइन माध्यम से यह नहीं हो सकता है।)

धामक नेताओं को सामूहिक सभाओं ने डोक्यूमेंट के फैलाव का रोकने के लिए धामक सभाओं के लिए प्रतिबंध लगाया है। अनेक सरकारों ने कोविड-19 के फैलाव का रोकने के लिए धामक सभाओं पर प्रतिबंध लगाया है। सबसे महत्वपूर्ण सी.आई. सांख्यिक संगठन ने दुनिया भर में भर के मुस्लिमों को प्राथर्ना सभाओं में इकट्ठा न होने की अपील की है। इसके बजाय उन्होंने मुस्लिमों को तारामील घर पर मनाने के लिए प्रोत्साहित किया है। इंडोनेशिया के सबसे बड़े इस्लामिक समूह मौजूदा तकनीकी बताया गया है। फिर भी, यह सुनिश्चित करते हैं कि कोविड-19 के साथ सुरक्षित प्रभावों का चरचा में शामिल करने के रास्ते ढूंढते हैं।

धामक नेताओं को सामूहिक सभाओं का विवरण कर रहे हैं, तो अपनी सुरक्षा के लिए मिमन्नलिखित स्वच्छता के उपाय सुनिश्चित करें:

- आयोजकों को सभाएं खुले में आयोजित करने की सलाह दें। अगर यह सम्भव नहीं है, तो सभा में जाने से पहले यह सुनिश्चित करें कि सभा के कमरे में परीक्षण वायु-संचालन हो रहा है।
- सभाओं में प्रतिभागी एक दूसरे से कम से कम 1 मीटर (6 फुट) की दूरी रखकर खड़े हो या बैठें।
- सेवा के पहले और बाद में सदस्यों के लिए हाथ धोने की सुविधा होनी चाहिए। यदि भक्तगण प्राथर्ना के कमरे में नंगे पाँव प्रस्तुत कर रहे हों, तो उनके प्रवेश के पहले पैर धोने की सुविधा होनी चाहिए। प्राथर्ना स्थल और प्रवेश द्वार पर हेंड-सैनिटाइज़र होना आवश्यक है।
- डिस्पोजेबल फेस डिश बर्तन और प्राथर्ना स्थल पर प्रायोगिक है। यदि स्थान या स्थान पर इस्तेमाल की जा सके तो इस्तेमाल किया जाए और उपयोग किये गए डिश फेकने के लिए बंद कूड़ादान होना आवश्यक है।
- प्राथर्ना के समय कालीन पर बिच्छाने के लिए आच्छादन भक्त गण अपने-अपने घरों से लाएं।
- यदि इस्लामिक समूह या अन्य समूहों ने स्वच्छता के उपाय सुनिश्चित करने की सलाह दी है, तो उनकी सलाह को पालन करें।
निम्नलिखित सुरक्षा दिशानिर्देश धार्मिक सभाओं का ऑफिस देखा हाल सुनाने वाले टीवी और रेडियो पत्रकारों के लिए है:

• अपने हाथ सैनिटाइज़र से कम से कम बीस से कंडके लिए नियमित रूप से धोएं

• प्रत्येक इंटरव्यू बहुत जरूरी हो तभी करें

• साक्षात्कारदाताओं से कम से कम एक मीटर की दूरी बनाए रखें

• दो माइक्रोफ़ोन इस्तेमाल करें और उन्हें अल्कोहल और डिस्पोजेबल तौलियों से सैनिटाइज़ करें | एक माइक्रोफ़ोन आपके लिए है और दूसरा साक्षात्कारदाता के लिए।

• सारे उपकरण काम के पहले और बाद में अल्कोहल से सफाई करें

• संक्रमण की संभावना को कम करने के लिए एक टीम में दो से अधिक सदस्य न हों

• ऐसी जगहें को चुनें जहाँ पर पैदल चलने वाले लोग (फुट ट्रैफिक) कम हों

• कृपया सिजर्कल मास्क पहनें और उपयोग के बाद उसे सावधानी बरतते हुए कूड़ेदान में फ़ुक दें।

क्या रोज़े रखने से कोविड-19 संक्रमण की जोखिम बढ़ती है?

रोज़े और कोविड-19 संक्रमण की जोखिम के विषय पर कोई अध्ययन नहीं हुआ है| विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार रस्तर लोग रोजे रख सकते हैं, जैसे अतीत में होता आया है।

इस्लाम में गर्भजाती महिलाओं, बुजुर्गों और औपचारिक व्यक्तियों, जिसमें कोविड-19 के मरीज शामिल हों, को रोजे रखने से मुक्त किया गया है। हालांकि, रमादान के दौरान व्यक्तियों को रोजे रखने का प्रेरणात्मक निर्देशन नहीं है।

अनेक मस्जिदों के लिए इफ्तार के दौरान सूजन्त्र का वक़्त उपवास तोड़ कर मस्जिदों में ज़स्तरमंदों को खाना बांटने के लिए अच्छा अवसर होता है। परन्तु, इसके लिए बहुत सारे लोगों की समस्या करती पड़ती है जिसका आधार व्यवस्थापन का खतरा बढ़ता है।

ज़स्तरांदंद के लिए ऐसे इफ्तार के दौरान सूजन्त्र का वक़्त उपवास तोड़ कर मस्जिद के लिए अच्छा अवसर होता है। परन्तु, इसके लिए बहुत सारे लोगों की समस्या करती है। इसलिए, विश्व स्वास्थ्य संगठन का प्रेरणा करता है जो अथवा जो उन्होंने उपयोग करने के संभाल का खतरा बढ़ता है।

अनेक मस्जिदों के लिए इफ्तार के दौरान सूजन्त्र का वक़्त उपवास तोड़ कर मस्जिद के लिए अच्छा अवसर होता है। परन्तु, इसके लिए बहुत सारे लोगों की समस्या करती है।

लो बॉक्सिंग वाले उपभोक्ताओं को नज़रअंदाज़ न करें

सभी लोग इंटरनेट से जुड़े हुए या सक्रिय पत्रकार नहीं हैं। तो, इन लोगों को आप संयुक्त प्राथमिक सभों में टेलीफोन चैट सेवा द्वारा जोड़ सकते हैं। इसलिए, विश्व स्वास्थ्य संगठन का प्रेरणा करता है जो अथवा जो उन्होंने उपयोग करने के संभाल का खतरा बढ़ता है।

मीटअपकॉल जैसे एप्प द्वारा आप व्यक्तियों और समूहों को इंटरनेट कोनेक्शन के बिना भी कॉल कर सकते हैं, आपको सर्फ़ फोन के सिग्नल की जरूरत होगी। आपको हमारे ब्लॉग पर अन्य कई लो बॉक्सिंग पत्रकारिता के उपकरण यहाँ मिलेंगे।